

बिहार सरकार
कृषि विभाग

पत्रांक : 9/उपा0/बीज (विविध)- 45/2015 1920 /कृ0 पटना दिनांक 05 मई, 2016

प्रेषक,

विजय प्रकाश,
कृषि उत्पादन आयुक्त
बिहार, पटना

सेवा में,

सभी जिला पदाधिकारी
सभी जिला कृषि पदाधिकारी

विषय :- हरी खाद योजना गरमा 2016 के कार्यान्वयन के संबंध में।

महाशय,

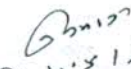
उपर्युक्त विषय के संबंध में सूचित करना है कि सरकार द्वारा हरी खाद योजना गरमा 2016 के कार्यान्वयन के स्वीकृति दी गयी है। योजना कार्यान्वयन का उद्देश्य मिट्टी की उर्वरा शक्ति को अक्षुण्ण रखना है। योजनान्तर्गत मूंग एवं ढेंचा बीज अनुदान पर किसानों को उपलब्ध कराया जायेगा। किसान को सत्यापित मूंग बीज 118.50 रु0 प्रति कि0ग्रा0 की दर से 80 प्रतिशत अनुदान पर 23.70 रु0 प्रति कि0ग्रा0 तथा ढेंचा सत्यापित बीज 37.50 रु0 प्रति कि0ग्रा0 की दर से 90 प्रतिशत अनुदान पर 3.75 रु0 प्रति कि0ग्रा0 की दर पर उपलब्ध कराया जाना है। छोटे किसानों को प्राथमिकता देते हुए एक किसान को अधिकतम एक एकड़ क्षेत्र के लिए मूंग बीज एवं 2.5 एकड़ क्षेत्र के लिए ढेंचा बीज उपलब्ध कराया जायेगा। बीज की उपलब्धता बिहार राज्य बीज निगम लि0 के माध्यम से जिलों में समय सीमा के अंदर उपलब्ध कराया जायेगा।

योजना क्रियान्वयन हेतु बीज की उपलब्धता, वितरण, अनुश्रवण, निरीक्षण एवं कार्य निष्पादन हेतु समय-सीमा निर्धारण के साथ विस्तृत कार्यान्वयन अनुदेश पत्र के साथ संलग्न कर उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यान्वयन अनुदेश में निहित निदेशों के अनुपालन किये जाने पर योजना के कार्यान्वयन में आशातीत सफलता प्राप्त की जा सकेगी।

अतः अनुरोध है कि अपने नेतृत्व एवं कुशल पर्यवेक्षण में योजना का कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाय।

अनु0- यथो0

विश्वासभाजन


(विजय प्रकाश)

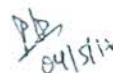
कृषि उत्पादन आयुक्त,
बिहार, पटना

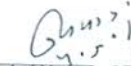
ज्ञापांक.....1920

/कृ0 पटना दिनांक 05 मई, 2016

प्रतिलिपि :- निदेशक, बामेती/निदेशक, पी0पी0एम0/सभी प्रमंडलीय संयुक्त निदेशक (शष्य)/सभी जिला नोडल पदाधिकारी/सभी अनुमंडल कृषि पदाधिकारी/सभी सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण/उप निदेशक (शष्य) बीज विश्लेषण/संयुक्त निदेशक (शष्य) सांख्यिकी/सभी बीज परीक्षक (प्रयोगशाला के प्रभारी) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।



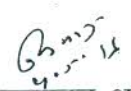



कृषि उत्पादन आयुक्त,
बिहार, पटना

ज्ञापांक.....1920

/कृ० पटना दिनांक ०५ मई, 2016

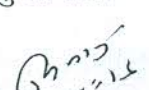
प्रतिलिपि :- सचिव, कृषि/कृषि निदेशक/प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य बीज निगम/ निदेशक, उद्यान को सूचनार्थ प्रेषित।


कृषि उत्पादन आयुक्त,
बिहार, पटना

ज्ञापांक.....1920

/कृ० पटना दिनांक ०५ मई, 2016

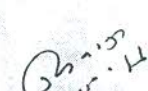
प्रतिलिपि :- सभी प्रमंडलीय आयुक्तों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।


कृषि उत्पादन आयुक्त,
बिहार, पटना

ज्ञापांक.....1920

/कृ० पटना दिनांक ०५ मई, 2016

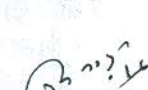
प्रतिलिपि :- जिला के प्रभारी प्रधान सचिव/सचिव, बिहार, पटना को सूचनार्थ प्रेषित। अनुरोध है कि संबंधित जिले में भ्रमण के क्रम में योजना का पर्यवेक्षण करने की कृपा की जाय।


कृषि उत्पादन आयुक्त,
बिहार, पटना

ज्ञापांक.....1920

/कृ० पटना दिनांक ०५ मई, 2016

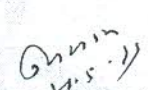
प्रतिलिपि :- विकास आयुक्त, बिहार, पटना को सूचनार्थ समर्पित।


कृषि उत्पादन आयुक्त,
बिहार, पटना

ज्ञापांक.....1920

/कृ० पटना दिनांक ०५ मई, 2016

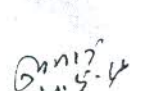
प्रतिलिपि :- मुख्य सचिव, बिहार, पटना को सादर सूचनार्थ समर्पित।


कृषि उत्पादन आयुक्त,
बिहार, पटना

ज्ञापांक.....1920

/कृ० पटना दिनांक ०५ मई, 2016

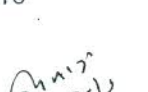
प्रतिलिपि :- माननीय मंत्री, कृषि के आप्त सचिव को सूचनार्थ प्रेषित।


कृषि उत्पादन आयुक्त,
बिहार, पटना

ज्ञापांक.....1920

/कृ० पटना दिनांक ०५ मई, 2016

प्रतिलिपि :- माननीय मुख्यमंत्री, बिहार के सचिव को सूचनार्थ प्रेषित।


कृषि उत्पादन आयुक्त,
बिहार, पटना

कृषि विभाग
बिहार सरकार

हरी खाद योजना कार्यान्वयन अनुदेश गरमा 2016

1. **हरी खाद योजना**— राज्य सरकार द्वारा गरमा 2016 में हरी खाद योजनान्तर्गत ढैंचा, मूंग, लोबिया, सनई और ग्वारगम के बीज हरी खाद हेतु खेतों में आच्छादन हेतु किसानों को अनुदान पर उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी गयी है। योजनान्तर्गत फसलवार आच्छादन हेतु स्वीकृत लक्ष्य निम्नवत है—

क्र०सं०	फसल	आच्छादन लक्ष्य (हे० में)
1	ढैंचा	353297
2	मूंग	248689

योजना का उद्देश्य —

- 1.1 सघन खेती को बढ़ावा देकर तेज धूप एवं हवा के कारण मिट्टी के उपरी उपजाऊ परत को अपरदन (Erosion) से बचाना ।
- 1.2 मिट्टी की संरचना में कम हो रहे कार्बनिक तत्वों को बढ़ाकर मिट्टी की उर्वरा शक्ति को अक्षुण्ण रखना ।
- 1.3 दलहन के उत्पादन को बढ़ाना ।
- 1.4 खरीफ फसलों में उर्वरक पर होने वाले व्यय में कमी करना ।
- 1.5 किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होना ।

जिलावार, फसलवार आच्छादन लक्ष्य एवं बीज की आवश्यकता का निर्धारण जिला कृषि पदाधिकारी से प्राप्त मांग के अनुसार अनुसूची-1 के अनुसार किया जाता है।

2. **योजना का विस्तार एवं अनुमान्य अनुदान** :— योजना का कार्यान्वयन राज्य के सभी प्रखंडों में किया जायेगा। योजनान्तर्गत ढैंचा सत्यापित बीज 90 प्रतिशत, मूंग सत्यापित/प्रमाणित बीज 80 प्रतिशत अनुदान पर किसानों को उपलब्ध कराया जायेगा।
3. **कार्यान्वयन एजेन्सी** : योजनान्तर्गत हरी खाद हेतु फसलों के बीज की व्यवस्था बिहार राज्य बीज निगम लि० द्वारा की जायेगी। जिलावार लक्ष्य अनुसूची- 1 के अनुरूप बीज की उपलब्धता जिलों में सुनिश्चित की जायेगी। जिला कृषि पदाधिकारी अपने जिले में योजना कार्यान्वयन के नोडल पदाधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु समय-सीमा अनुसूची-2 के अनुसार निर्धारित की जाती है। संबंधित पदाधिकारी निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य का निष्पादन सुनिश्चित करेंगे।
4. **स्थल एवं किसान के चयन की प्रक्रिया** :—
 - 4.1 किसान जो इच्छुक एवं प्रगतिशील हो।
 - 4.2 किसान के पास उचित सिंचाई व्यवस्था हो।
 - 4.3 बीज ग्राम एवं जैविक ग्राम के चयनित किसानों को प्राथमिकता दी जाय।
 - 4.4 योजना के लाभार्थी किसान को संकर धान/श्री विधि धान से संबंधित योजना में शामिल किया जाय।
 - 4.5 आधुनिक कृषि यंत्र का उपयोग करने वाले किसानों को प्राथमिकता दी जाय।



- 4.6 योजनान्तर्गत जिलावार लाभुको में से जनसंख्या के अनुपात में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति तथा 30 प्रतिशत लघु/सीमान्त/महिला किसानों के लाभान्वित किया जाना आवश्यक होगा। राज्य स्तर पर लक्ष्य का कम से कम 16 प्रतिशत अनुसूचित जाति एवं 1 प्रतिशत जनजाति के लाभुकों को निश्चित रूप से लाभ उपलब्ध कराया जाय।
- 4.7 योजनान्तर्गत अल्पसंख्यक समुदाय के लाभान्वितों का समुचित आच्छादन सुनिश्चित किया जाय।
5. तकनीकी प्रशिक्षण :
- 5.1 जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा पंचायतवार/प्रखंडवार प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथि का निर्धारण किया जायेगा।
- 5.2 जिलास्तरीय कर्मशाला तथा प्रशिक्षण शिविर में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों तथा परियोजना निदेशक, आत्मा का पूर्ण सहयोग लिया जायेगा।
- 5.3 हरी खाद के संबंध में बामेती द्वारा तैयार प्रचार-प्रसार सामग्री का वितरण आत्मा के माध्यम से शिविर में किसानों को किया जायेगा।
- 5.4 प्रशिक्षण कार्यक्रम मद में होने वाले व्यय का वहन परियोजना निदेशक, आत्मा द्वारा किया जायेगा।
6. बीज प्राप्ति, वितरण एवं अनुश्रवण की प्रक्रिया-
- 6.1 हरी खाद हेतु बीज की व्यवस्था बिहार राज्य बीज निगम द्वारा की जायेगी। बिहार राज्य बीज निगम के अधिकृत एवं अनुज्ञप्ति प्राप्त विक्रेता द्वारा प्रखंड स्तरीय गरमा शिविर में निर्धारित मात्रा में मानक एवं गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित की जायेगी।
- 6.2 बिहार राज्य बीज निगम द्वारा आपूर्तिकर्ता बीज प्रतिष्ठानों को जिलावार लक्ष्य के अनुरूप सम्बद्ध किया जायेगा। सम्बद्धता सूची की प्रति संबंधित जिला कृषि पदाधिकारी एवं उप निदेशक (शष्य) बीज को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 6.3 जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा जिले के लक्ष्य को प्रखंडवार उपावटित किया जायेगा। प्रखंड में बीज प्राप्त करने वाले प्रखंड कृषि पदाधिकारी एवं विक्रेता का नाम मोबाईल नं० सहित बिहार राज्य बीज निगम/कृषि निदेशक को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत संसूचित किया जायेगा।
- 6.4 प्रखंड स्तर पर बीज उपलब्ध होने के पश्चात ट्रक के चालान पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी एवं सम्बद्ध विक्रेता द्वारा संयुक्त रूप से प्राप्त किया जायेगा। ट्रक के पहुंचने के पश्चात अनुमंडल कृषि पदाधिकारी द्वारा 24 घंटों के अंदर प्रति ट्रक एक नमूना नियमानुसार संग्रह कर बीज परीक्षण प्रयोगशाला को भेजा जायेगा। रेफरी नमूना जिला कृषि पदाधिकारी के स्तर पर संधारित किया जायेगा। अगर नमूना जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा 24 घंटों के अंदर लिया गया है तो रेफरी नमूना प्रमंडलीय संयुक्त निदेशक (शष्य) के स्तर पर संधारित किया जायेगा। बीज परीक्षण प्रयोगशाला के प्रभारी पदाधिकारी द्वारा बीज विश्लेषण प्रतिवेदन नमूना प्राप्ति के 15 दिनों के अंदर उप निदेशक (शष्य), बीज, बिहार, पटना, विपणन प्रमुख, बिहार राज्य बीज निगम एवं संबंधित जिला कृषि पदाधिकारी को ई-मेल के माध्यम से निश्चित

